ISSN: 2583-5149 | Vol. 2, Issue. 1 | 2022 June | Frequency: Biannual

अभिनवधारा
ABHINAVDHARA
International Journal of Innovation in Indic Studies
www.ijiis-org.com

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) : शिक्षक-शिक्षा के अवसर व चुनौतियाँ

Shankar Dayal Rajan
Research scholar PhD Education,
Faculty of Education Dayalbagh Educational Institute
(Deemed University)
Dr.Nahar Singh
Assistant Professor, Faculty of Education Dayalbagh Educational Institute
(Deemed University)

Received: 22 May 2022 | Accepted: 5 June 2022 | Published: 15 June 2022

शोध सार

भारतीय शिक्षा क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान भारत सरकार ने एक व्यापक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पेश कर एक रोड मैप तैयार किया है। यह भारत को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के लिए चौथी औद्योगिक क्रांति का लाभ उठाने के लिए है। वर्तमान में शुरू की गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारत केन्द्रित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना की गई है जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके हमारे देश को एक समान और जीवंत ज्ञान से परिपूर्ण समाज के रूप में बदलने में सीधे योगदान देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 शिक्षक-शिक्षा परिदृश्य में बड़े बदलावों की सिफारिश करती है। शिक्षक-शिक्षा की सिफारिश भाग II तहत NEP 2020 के अध्याय 15 में दी गई है जो उच्च शिक्षा में नीतिगत परिवर्तनों का विवरण देती है। इसे ग्यारह उपबिन्दुओं में विभाजित किया गया है। NEP 2020 का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षक-शिक्षा प्रणाली को बहु विषयक कॉलेजो और विश्वविद्यालयों में स्थानांतरित करके और ऐसे बहुविषयक उच्च शिक्षा संस्थान, 2030 तक चार वर्षीय एकीकृत शिक्षक-शिक्षा कार्यक्रम संचालित करेगें जो स्कूली शिक्षकों के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता बन जायेंगे। (NEP 2020 अध्याय 15 उपबिन्दु 15.5 पृ.सं. 68) राष्ट्रीय शिक्षा नीति का अधिक गहराई से विश्लेषण करते हुए यह अवसरों का एक जिज्ञासु संयोजन है और साथ ही शिक्षक-शिक्षा परिदृश्य के लिए चुनौतियां भी है। प्रस्तुत लेख में शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों और चुनौतियों के सन्दर्भ में प्रतिमान में बदलाव के सम्बन्ध में NEP 2020 का विश्लेषण करने का प्रयास करता है।

- **मुख्य शब्द (Key words)** - अवसर एवं चुनौतियाँ, शिक्षक-शिक्षा, NEP 2020

परिचय (Introduction)

शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने एक न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। इसलिए भारत सरकार द्वारा 2015 में सयुक्त राष्ट्र के द्वारा अपनाये गये सतत् विकास एजेंडा 2030 के लक्ष्य 4 (एस.डी.जी. 4) में परिलक्षित वैश्विक शिक्षा विकास एजेंडा के अनुसार विश्व में 2030 तक सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्तायुक्त शिखा सुनिश्चित करने और जीवन पर्यन्त शिक्षा के अवसरों को बढ़ावा देने का लक्ष्य है।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 को तैयार किया। 29 जुलाई 2020 को केन्द्रिय मंत्रीमण्डल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अगुआई में (NEP) 2020 का अनुमोदन करके राष्ट्र को नई शिक्षा नीति प्रदान की क्योंकि शिक्षा पर पिछली नीतियों का जोर मुख्य रूप से शिक्षा तक पहुँच के मुद्दो पर था। 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, जिसे 1992 (NEP 1986/92) में संशोधित किया गया, उसके अधूरे काम को इस नीति के द्वारा पूरा करने का भरपूर प्रयास किया गया है। 1986/92 की शिक्षा नीति के बाद से एक बड़ा कदम निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा अधिनियम 2009 रहा है, जिसने सार्वभौतिक प्रारम्भिक शिक्षा सुलभ कराने हेतु कानूनी आधार उपलब्ध कराया।

ज्ञान के परिदृश्य में पूरा विश्व तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। विभिन्न देशों की अपनी शिक्षा प्रणालियाँ है जो उन्हें शिक्षा के माध्यम से सतत् प्रगति की ओर ले जाती है। प्रौद्योगिकी का हर क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास और प्रभाव महत्वपूर्ण होता जा रहा है। भारत को एक सुपर ग्लोबल नॉलेज पावर बनाने के लिए हमें अनिवार्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में उपयोगी कार्यान्वयन की आवश्यकता है। केवल तीव्र गति और ज्ञान नेविगेशन के माध्यम से ही हम अपने देश को विकसित देश में बदल सकते हैं। पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हुए, मौजूदा व्यवस्था में सुधार के लिए नीतियों को समय पर संशोधित करना आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 शिक्षक-शिक्षा परिदृश्य में बड़े बदलावों की सिफारिश करती है। शिक्षक-शिक्षा की सिफारिशें भाग II के तहत (NEP 2020) के अध्याय - 15 में दी गई है जो उच्च शिक्षा में नीतिगत परिवर्तनों का विवरण देती है। इसे ग्यारह उपबिन्दुओं में विभाजित किया गया है। NEP 2020 का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शिक्षक-शिक्षा प्रणाली को बहु विषयक कालेजों और विश्वविद्यालयों में स्थानान्तरित करके ऐसे बहु-विषयक उच्च शिक्षा संस्थान जो 2030 तक 4 वर्षीय एकीकृत बी.एड. प्रोग्राम तैयार करे जो स्कूली शिक्षकों के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता बन जायेंगे। NEP 2020 का अधिक गहराई से विश्लेषण करते हुए यह अवसरों का एक जिज्ञासु संयोजन है और साथ ही शिक्षक-शिक्षा परिदृश्य के लिए अवसरों की उपलब्ध और चुनौतियाँ भी है।

1. शिक्षक-शिक्षा को विश्वविद्यालय में स्थानांतरित करना

NEP 2020 कमेटी ने अवलोकन किया कि शिक्षाशास्त्र के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का मेल वास्तव में तभी प्राप्त किया जा सकता है जब शिक्षक-शिक्षा की तैयारी बहु-विषयक शैक्षणिक कार्यक्रमों और वातावरण की पेशकश करने वलो समग्र संस्थानों के लिए भीतर आयोजित की जाती है। (NEP 2020 15.4 पृ.सं. 68) इस दृष्टि के कार्यान्वयन के लिए सभी स्तरों के मूलभूत, प्रारंभिक, मध्य और माध्यमिक विश्वविद्यालय/उच्च शिक्षा प्रणाली के भीतर चार वर्षीय एकीकृत बी.एड. प्रोग्राम शिक्षाशास्त्र और व्यवहारिक प्रशिक्षण, शैक्षिक सामग्री प्रदान करेंगे। आशा है कि ये परिवर्तन देश में शिक्षक-शिक्षा प्रणाली की अखंडता को बनाये रखने में मदद का सकते हैं।

2. दोहरी डिग्री प्राप्त करने का प्रावधान

NEP 2020 में दोहरी डिग्री का प्रावधान बताते हुए कहा गया है कि विभिन्न स्तर पर संचालित प्री-सर्विस टीचर प्रिपरेशन प्रोग्रामों को चार साल के एकीकृत बी.एड. प्रोग्राम में यूनिवर्सिटी स्तर पर दोहरी डिग्री (शिक्षा में किसी वांछित विशेष विषय के साथ) के रूप में पेश किया जायेगा और इस प्रकार अध्ययन के स्नातक प्रोग्राम और साथ ही शिक्षक तैयारी पाठ्यक्रम दोनों शामिल होंगे। यह एक आकर्षक पहलू है इसके तहत शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिबद्ध पेशवरों की कमी को पूरा किया जा सकता है।

3. शिक्षण कौशल वृद्धि पर कोई उल्लेख नहीं

NEP 2020 शिक्षक की तैयारी के लिए पाठ्यक्रम के कुछ प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करती है जिन्हें सुधारा और पुनर्जीवित किया जायेगा जैसे कि बुनियादी साक्षरता। संख्या ज्ञान पर ध्यान केन्द्रित करना, समावेशी शिक्षाशास्त्र और मूल्यांकन भारत और इसकी परंपराओं का ज्ञान और 21वीं सदी छात्रों में कौशल का विकास जैसे कि समस्या समाधान, आलोचना और रचनात्मक सोच, नैतिक और नैतिक तर्क और संचार और चर्चा क्षमता। लेकिन एक शिक्षक तैयारी कार्यक्रम के लिए किसी भी अन्य पहलू से अधिक शिक्षण कौशलों में वृद्धि को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए जिसका उल्लेख NEP 2020 में नहीं किया गया है।

4. गैर जिम्मेदार शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों को बंद करना

भारत में केवल शैक्षिक रूप से सुदृढ़ शिक्षक तैयारी कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए 2023 तक गैर जिम्मेदार शिक्षक-शिक्षा संस्थानों को बंद करने का मिशन पर काम किया जाएगा। सभी स्टेण्ड-अलोन शिक्षक-शिक्षा संस्थानों को 2030 तक खुद को बहु विषयक HEI (उच्चतर शिक्षा संस्थान) के रूप में परिवर्तित करना चाहिए ताकि वे केवल चार साल की एकीकृत बी.एड. की पेशकश कर सके। 3-5 वर्षों के भीतर सभी TEI (शिक्षक-शिक्षा संस्थान) को बहु विषयक उच्चतर शिक्षा संस्थान के रूप में अनिवार्य मान्यता प्राप्त हो सके। इस मिशन की प्रगति की निगरानी राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नियामक प्राधिकरण (INHERA) द्वारा हर तीन महीने और राष्ट्रीय शिक्षा आयोग (RSA) द्वारा हर छः महीने में NEP 2020 के अनुसार की जायेगी। (NEP 2020 15.5 पृ.सं. 68) जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षक-शिक्षा को बनाये रखने में एक पहल को सुनिश्चित करता है।

5. माध्यमिक व प्राथमिक स्तर पर सामान्य शिक्षक और विशिष्ट शिक्षकों की विशेषज्ञता का निर्धारण

NEP 2020 के अनुसार शिक्षक-शिक्षा संकायों में विशेष विषयों के लिए विशिष्ट प्रशिक्षक, प्राथमिक विद्यालय विषय क्षेत्रों के लिए सामान्य विशेषज्ञ, विषय-शिक्षक, माध्यमिक या उच्च माध्यमिक विद्यालय में विशेष शिक्षक शामिल हैं। प्रारंभिक या सेवा पूर्व शिक्षक की तैयारी पूरी होने के बाद अथवा सेवाकालीन मोड़ में, या तो पूर्णकालिक रूप से प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के रूप में पेश किये जाने के बाद, एकल रूचियों और विशेष प्रतिभा वाले बच्चों की शिक्षा के विषय शिक्षकों या सामान्य शिक्षकों के लिए माध्यमिक विशेषता के माध्यम से संबोधित की जाती है या फिर से अंशकालिक/मिश्रित पाठ्यक्रमों के रूप में, या अनिवार्य रूप से बहु विषयक कॉलेज या विश्विद्यालयों में कहाँ से निर्धारित होगी। माध्यमिक विशेषज्ञताओं की अवधारणा के अर्थ में अधिक स्पष्टता की आवश्यकता है कि इसका परिणाम कम विशेषाधिकार प्राप्त विशेष शिक्षा बी.एड. पाठ्यक्रम में न हो।

6. शिक्षक-शिक्षा बहु-विषयक संस्थानों में होगी

शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में यह बड़ा बदलाव है। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय या शिक्षक-शिक्षा संस्थान जो एकल धारा कार्यक्रम चला रहे हैं उन्हें चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए। सभी बहु-विषयक विश्वविद्यालयों और कालेजों का लक्ष्य शिक्षा विभागों की स्थापना करना होगा जो शिक्षा के विभिन्न पहलुओ में अत्याधुनिक शोध शिक्षा विभागों की स्थापना करना होगा जो शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में अत्याधुनिक शोध, शिक्षा विभागों की स्थापना करना होगा जो शिक्षा के विभिन्न पहलुओं में अत्याधुनिक शोध करने के अलावा, अन्य विभागों के सहयोग से बी.एड. कार्यक्रम चलायेंगे। (NEP 2020 15.4 पृ.सं. 68) नतीजन, राज्य के अधिकांश शिक्षक-प्रशिक्षण कॉलेज गायब हो जायेंगे। शिक्षा विभाग के रूप में बहु-विषयक कॉलेजों में विलय कर दिए जाएंगे। इससे देश में महाविद्यालयों की प्रतिष्ठित अवधारणा की महान परंपरा का पूर्ण उन्मूलन हो गया है।

7. सेवा पूर्व शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों में प्रवेश राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित विषय और योग्यता परीक्षणों के माध्यम से होगा

पूर्व सेवा शिक्षक तैयारी कार्यक्रमों में प्रवेश सभी HEI (उच्चतर शिक्षा संस्थान) प्रवेशों की तरह, राष्ट्रीय परिक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित विषय और योग्यता परीक्षणों के माध्यमों से बड़े हिस्से किया जायेगा। यह परीक्षण विश्वविद्यालयों की अधिकारिक प्रवेश परीक्षा से अलग करने के सिद्धान्त को ध्यान में रखते हुए हैं, जबकि प्रवेश के लिए पूर्ण मानदण्ड और प्रक्रिया इन कार्यक्रमों को पेश करने वाले विश्वविद्यालयों और कालेजों में छोड़ दिया जायेगा। (NEP 2020 15.7 पृ.सं. 68) यह एक अभिनव विचार है।

8. नये शिक्षक-शिक्षा संस्थानों का पर्याप्त सृजन

NEP 2020 का कहना है कि एक ओर चार साल के एकीकृत तैयारी कार्यक्रम में मौलिक परिवर्तन और दूसरी ओर गैर-जिम्मेदार संस्थानों को बंद करने के लिए पर्याप्त नई शिक्षक तैयारी क्षमता के निर्माण की आवश्यकता होगी और संस्थानों को पर्याप्त सार्वजनिक निवेश की आवश्यकता होगी। राष्ट्रीय शिक्षा आयोग द्वारा डिजाइन की जाने वाली विशेष योजनाओं के माध्यम से इस क्षेत्र में किसी निजी परोपकारी प्रयासों को प्रोत्साहित किया जायेगा। (NEP 2020 18.13 पृ.सं. 79 NEP 9019 15.23.3 पृ.सं. 287) इसमें सबसे बड़ा भ्रम यहाँ यह है कि इस प्रावधान के कई गुना आशा के अनुरूप के साथ, उच्च शिक्षा की बढ़ती दुर्गमता के मामले में आम जनता को भारी कीमत चुकानी होगी। श्रेणीबद्ध स्वायत्तता का यह मॉडल शैक्षिक सुविधाओं के सार्वभौमिकरण और उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा तक समान पहुँच के लिए सहायक नहीं हो सकता है।

9. शिक्षक-शिक्षा के लिए अलग संकाय -

NEP 2020 ने सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों में प्रशिक्षण के साथ शिक्षा संकाय नियुक्त करने की सलाह दी है जो सीधे तौर पर स्कली शिक्षा से सम्बन्धित है जैसे, मनोविज्ञान बाल विकास, भाषा विज्ञान, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान के साथ-साथ विज्ञान शिक्षा, गणित शिक्षा, सामाजिक विज्ञान शिक्षा और भाषा शिक्षा कार्यक्रम शिक्षा, विभाग में संकाय सदस्यों की प्रोफाइल अनिवार्य रूप से विविध होने का लक्ष्य रखेगी। हर किसी के लिए पीएच.डी. डिग्री धारक होना आवश्यक नहीं होगा लेकिन शिक्षण क्षेत्र एवं शोध के अनुभवों को महत्ता दी जाएगी। (NEP 2020 पृ.सं. 15.8) आशा है कि यह अवधारणा शिक्षकों को अधिक गरिमापूर्ण व्यक्तित्व प्रदान करेगी।

10. पीएच.डी प्रोग्राम का पुर्नः अभिविन्यास

पीएच.डी. के पुर्नः अभिविन्यास के मामले के रूप में NEP 2020 ने सुझाव दिया कि सभी नये पीएच.डी प्रवेशकर्ताओं से उपेक्षित होगा कि वे अपने डोक्टरोल प्रशिक्षण अवधि के दौरान अपने चुन हुए पीएच.डी विषय से सम्बन्धित

शिक्षण/शिक्षा/अध्यापन/लेखन में क्रेडिट आधारित पाठ्यक्रम लें। पीएच.डी. छात्रों के लिए शिक्षण सहायक और अन्य साधनों के माध्यम से अर्जित किये वास्तविक शिक्षण अनुभव के न्यूनतम घंटे भी तय होगें। देश भर के विश्वविद्यालयों में संचालित पीएच.डी. कार्यक्रमों का इस उदद्देश्य के लिए पुर्नरून्मुखीकरण किया जायेगा। (NEP 2020 15.9 पृ.सं. 69)

11. कॉलेज और विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए सेवाकालीन सतत् व्यवसायिक विकास

कॉलेज और विश्वविद्यालय को शिक्षकों के लिए सेवारत सतत् व्यवसायिक विकास का प्रशिक्षण मौजूदा संस्थागत व्यवस्था और चल रही पहले के माध्यम से जारी रहेगा। शिक्षकों के आनलाइन प्रशिक्षण के लिए स्वयंम Swayam/दीक्षा Diksha जैसे प्रौद्योगिकी प्लेटफार्मों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जायेगा। (NEP 2020 पृ.सं. 70 15.10) यह स्वागत योग्य कदम है जो शिक्षक को निरंतर सीखने के लिए प्रेरित करता है।

12. सलाह के लिए राष्ट्रीय मिशन की स्थापना

NEP 2020 सुझाव देती है कि सलाह के लिए एक राष्ट्रीय मिशन को स्थापित किया जायेगा जिसमें बड़ी संख्या में वरिष्ठ/सेवानिवृत्त उत्कृष्ट संकाय के सदस्यों को जोड़ा जायेगा जो विश्वविद्यालय/कॉलेज शिक्षकों को लघु ओर दीर्घकालिक परामर्श/सहायता/प्रदान करेंगे। (NEP 2020 पृ.सं. 70 15.11) यह शिक्षकों के लिए गर्मजोशी से स्वागत योग्य कदम है।

13. निष्कर्ष

NEP 2020 ने एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करके सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सिफारिश की है जो भारतीय लोकचार में गहराई से निहित है जो भारत को वैश्विक ज्ञान शक्ति के रूप में पुननिर्मित करती है। उदार कला शिक्षा (Liberal Arts Education) के माध्यम से क्रास अनुशासनात्मक सहयोग का निर्माण एक स्वागत योग्य विचार है।

सन्दर्भ सूची

1. https://timesofindia.indiatimes.com/blogs/edutrends-india/nep-2020-empowering-the teacher, 28.01.2021
2. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019, मसौदा, https://innovate.mygov.in/ wpcontent/ uploads/2019/06/mygov15596510111.pdf
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020, National Education Policy 2020. https://www.mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/nep/NEP_Final_English.pdf referred on 10/08/2020
4. कुमार, ए., (2021), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रकाश में शिक्षक-शिक्षा के अवसर व चुनौतियाँ, जनरल आफ इमरजिंग टेक्नोलाजी एण्ड इनोवेटिव रिसर्च, 8 (3), 2137-2142
5. मनोज, अम्बिका (2001),: राष्ट्रीय शिखा नीति 2020, मुद्दे व चुनौतियाँ और इसका कार्यान्वयन, यूनिवर्सिटी न्यूज Vol. 59, no। - 5, April 12-18, पृ.सं. 146
6. सखारे, जे.एस. (2020), एन. ई. पी. (2019): शिक्षक की भूमिका और एन.ई.पी. की विशेषताएँ, एजुकेशनल रेसोसेस जर्नल, 2 (3), 36-42